निवेशक एफ़एक्यू पीएफसी

क. कॉर्पोरेट सिंहावलोकन

1. पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) की स्थापना से लेकर अब तक की कॉर्पोरेट यात्रा किस प्रकार विकसित हुई है?

पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) की स्थापना 1986 में एक सरकारी स्वामित्व वाली वित्तीय संस्था के रूप में की गई थी जिसका प्राथमिक उद्देश्य भारत में विद्युत क्षेत्र को वित्तीय सहायता प्रदान करना था।

पीएफसी विद्युत मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (पीएसयू) है और यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एसआई-एनबीएफसी) के रूप में भी पंजीकृत है।

इसके अलावा, पीएफसी ने भारत सरकार के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से विभिन्न सुधार योजनाओं और उपायों के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पीएफसी ने एकीकृत विद्युत विकास योजना (आईपीडीएस), अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्ट्स (यूएमपीपी) और विलंबित भुगतान अधिभार (एलपीएस) जैसी प्रमुख सुधार योजनाओं के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य किया है। वर्तमान में, पीएफसी पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के संचालन और कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी है।

जब पीएफसी की स्थापना हुई थी, तब भारत एक ऊर्जा-घाटाग्रस्त देश था। पिछले चालीस वर्षों में, पीएफसी ने भारत को ऊर्जा-आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अब यह देश के हरित भविष्य की ओर बढ़ने में सहयोग कर रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में पीएफसी ने तेजी से प्रगति की है और अब यह विद्युत क्षेत्र के लिए समर्थन का स्तंभ बन गया है:

पीएफसी समूह भारत में विद्युत क्षेत्र में अग्रणी वित्तीय संस्थान है-

- सभी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) में सबसे बड़ा समेकित बैलेंस शीट आकार
- पीएफसी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 17,352 करोड़ रुपये का अब तक का सर्वाधिक निवल लाभ अर्जित किया है। इसके साथ ही, पीएफसी भारत में सबसे अधिक लाभ कमाने वाली एनबीएफसी बनी हुई है।
- आईएफएससी गिफ्ट सिटी में पहली पावर और इंफ्रा फाइनेंस कंपनी अर्थात पीआईएफआईएल-पीएफसी आईएफएससी लिमिटेड की स्थापना के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय ऋण देने के क्षेत्र में कदम रखा।
- फॉर्च्यून 500 इंडिया 2024 में पीएफसी को 36 वां स्थान दिया गया है ।
- पीएफसी फोर्ब्स ग्लोबल 2000: इंडिया (2025) में 18वें स्थान पर है और ग्लोबल 2000 (2025) में 544वें स्थान पर है।
- एमएससीआई ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स का हिस्सा

अब, पीएफसी ने लॉजिस्टिक और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र के वित्तीय पोषण में भी कदम रखा है। यह पीएफसी की मौजूदा भूमिका को और मज़बूत करेगा और हमें भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनने में सक्षम बनाएगा। अब तक, हमने बंदरगाहों, सड़क एवं राजमार्गों, मेट्रो, जैव ईंधन, इथेनॉल, सिंचाई, तेल रिफाइनरी आदि क्षेत्रों में कदम रखा है।

2. पीएफसी का कार्यक्षेत्र क्या है?

पीएफसी पूरे भारत में संपूर्ण विद्युत क्षेत्र मूल्य श्रृंखला को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इसमें उत्पादन, पारेषण, वितरण क्षेत्र में राज्य और निजी उपयोगिताओं को वित्तीय पोषण, और संबंधित अग्रिम और पश्चवर्ती लिंकेज का वित्तीय पोषण शामिल है।

इस क्षेत्र के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए पसंदीदा वित्तीय पोषक और प्रमुख उत्प्रेरक है :

- स्थापना के बाद से 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का संचयी संवितरण किया गया
- आज तक भारत की कुल स्थापित क्षमता का लगभग 50% और भारत की गैर-जीवाश्म आधारित स्थापित क्षमता का 27% समर्थित है
- भारत में नवीकरणीय ऊर्जा के लिए सबसे बड़ी वित्तीय पोषण एजेंसी। नवीकरणीय ऊर्जा खाते में कुल मिलाकर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वितरण किया गया है।

पीएफसी ने अपने कारोबार का विस्तार विद्युत क्षेत्र से आगे तक कर लिया है और वह अर्थव्यवस्था के लॉजिस्टिक्स और अन्य बुनियादी ढांचा क्षेत्रों को भी वित्तीय पोषण प्रदान कर सकता है।

पीएफसी अपनी सहायक कंपनी पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड के माध्यम से विद्युत क्षेत्र को परामर्श और परामर्श सेवाएं भी प्रदान करती है, और इसने प्राप्ति पोर्टल, शक्ति योजना, स्वतंत्र ट्रांसमिशन परियोजनाओं आदि जैसी विभिन्न सरकारी पहलों के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्राप्ति पोर्टल (उत्पादकों के चालान में पारदर्शिता लाने के लिए विद्युत खरीद में भुगतान अनुसमर्थन और विश्लेषण) एक वेब पोर्टल है, जिसे डिस्कॉम्स की वर्तमान बकाया राशि और अधिक बकाया राशि के आंकड़ों को बनाए रखने के लिए विकसित किया गया है।
शक्ति (भारत में कोयला (कोयला) के पारदर्शी दोहन और आवंटन की योजना) संकटग्रस्त विद्युत संयंत्रों सहित विद्युत संयंत्रों को कोयला आवंटित करने का एक पारदर्शी तरीका है ।
स्वतंत्र ट्रांसमिशन परियोजनाएं (आईटीपी) निजी क्षेत्र की भागीदारी के माध्यम से ट्रांसमिशन प्रणाली के विकास और सुदृढ़ीकरण के लिए एक टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया है।

विलंबित भुगतान अधिभार (एलपीएस) नियम, 2022 के अंतर्गत, जहाँ पीएफसी नामित कार्यान्वयन एजेंसी थी, आपूर्तिकर्ताओं के बकाया की वसूली में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। 3 जून, 2022 तक कुल बकाया राशि 1,39,947 करोड़ रुपये का लगभग 90% जून 2025 तक चुका दिया गया है।

3. पीएफसी कहां स्थित है?

पीएफसी का कॉर्पोरेट कार्यालय 'ऊर्जानिधि', 1, बाराखंभा लेन, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली, भारत - 110001 में स्थित है।

हमारे मुंबई और चेन्नई में दो संपर्क कार्यालय भी हैं।

4. पीएफसी की क्रेडिट रेटिंग क्या है?

पीएफसी को भारत की शीर्ष तीन रेटिंग एजेंसियों - क्रिसिल, आईसीआरए और केयर - से सर्वोच्च घरेलू क्रेडिट रेटिंग AAA प्राप्त है, जो सुरक्षा रेटिंग के उच्चतम स्तर को दर्शाती है। इसके अलावा, पीएफसी को फिच और मूडीज से क्रमशः बीबीबी (माइनस) और बीएए3 की निवेश ग्रेड अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग प्राप्त है, जो संप्रभु रेटिंग के बराबर है।

5. पीएफसी के निदेशक मंडल के सदस्य कौन हैं?

निदेशक मंडल में उच्च योग्यता प्राप्त और प्रतिबद्ध टीम शामिल है, जिसके पास विद्युत एवं संबद्ध क्षेत्रों में गहन विशेषज्ञता और व्यापक अनुभव है। बोर्ड में दस सदस्य हैं जिनमें अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पूर्णकालिक कार्यात्मक निदेशक, सरकार द्वारा नामित निदेशक और एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित स्वतंत्र निदेशक शामिल हैं। वर्तमान में बोर्ड में पाँच स्वतंत्र निदेशकों के साथ, पीएफसी अब भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के तहत बोर्ड संरचना आवश्यकताओं का अनुपालन करता है। वर्तमान संरचना[1] निदेशक मंडल का निर्णय निम्नानुसार है: -

- श्रीमती परमिंदर चोपड़ा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
- श्री राजीव रंजन झा, निदेशक (परियोजनाएं)
- श्री मनोज शर्मा, निदेशक (वाणिज्यिक)
- श्री संदीप कुमार, निदेशक (वित्तीय)
- श्री शशांक मिश्रा, सरकार द्वारा नामिती निदेशक
- श्री भास्कर भट्टाचार्य, स्वतंत्र निदेशक
- श्रीमती उषा संजीव नायर, स्वतंत्र निदेशक
- श्री प्रसन्न तंत्री, स्वतंत्र निदेशक
- श्री नरेश धनराजभाई केल्ला, स्वतंत्र निदेशक
- श्री सुधीर मेहता, स्वतंत्र निदेशक

6. पीएफसी का विनियमन कौन करता है?

पीएफसी की स्थापना 16 जुलाई, 1986 को विद्युत मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के रूप में हुई थी और यह कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अधीन है। इसके अलावा, इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी (एसआई-एनडी-एनबीएफसी-आईएफसी) के रूप में वर्गीकृत एक व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण गैर-जमा स्वीकार करने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी होने के नाते, पीएफसी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विनियमित है। इसके अलावा, पीएफसी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध है और इसलिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा भी विनियमित है।

7. पीएफसी के शेयर किन स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं और पीएफसी स्टॉक प्रतीक क्या हैं?

पीएफसी के शेयर बीएसई और एनएसई दोनों पर स्टॉक प्रतीक “पीएफसी” के साथ सूचीबद्ध हैं।

8. क्या पीएफसी जनता से जमा स्वीकार करता है?

पीएफसी को जमा न लेने वाली व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एसआई-एनबीएफसी) के रूप में वर्गीकृत किया गया है और भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार, ये एनबीएफसी जनता से जमा स्वीकार नहीं कर सकती हैं। इसलिए, वर्तमान में, पीएफसी जनता से जमा स्वीकार नहीं करती है।

9. पीएफसी की वार्षिक आम बैठक कब है?

पीएफसी हर साल, आमतौर पर दूसरी तिमाही में, एक वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित करता है। अगली एजीएम की तारीख की औपचारिक घोषणा की गई है या नहीं, यह जानने के लिए और पिछली बैठकों की सूचनाएँ तथा पिछली एजीएम की जानकारी देखने के लिए "वार्षिक रिपोर्ट" पेज़ (https://www.pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/72) पर जाएँ।

[1] 21.07.2025 तक

10. पीएफसी अपने वित्तीय परिणाम कब घोषित करता है? क्या पीएफसी मौन/शांत अवधि का पालन करता है?

लेखांकन अवधि 1 अप्रैल से शुरू होकर अगले वर्ष के 31 मार्च तक चलती है।

सेबी लिस्टिंग विनियमों के अनुसार, सूचीबद्ध संस्था को पहली तीन तिमाहियों के लिए तिमाही समाप्ति के 45 दिनों के भीतर और अंतिम तिमाही के लिए वित्तीय वर्ष की समाप्ति से 60 दिनों के भीतर तिमाही वित्तीय परिणाम प्रस्तुत करने होंगे। इन विनियमों के अनुपालन में, पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के तिमाही परिणाम आमतौर पर अगस्त के मध्य तक, दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के परिणाम नवंबर के मध्य तक, तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के परिणाम फरवरी के मध्य तक और चौथी तिमाही/वार्षिक परिणाम आमतौर पर मई के अंत में घोषित किए जाते हैं।

हाँ, पीएफसी हर तिमाही में अपनी आय जारी करने से पहले एक मौन अवधि का पालन करता है। इस मौन अवधि के दौरान, कंपनी या उसका कोई भी अधिकारी किसी भी बाहरी पक्ष के साथ कंपनी के प्रदर्शन पर चर्चा नहीं करेगा। यह मौन अवधि पीएफसी और उसकी सहायक कंपनी आरईसी के तिमाही/वार्षिक परिणामों की घोषणा से 10 दिन पहले लागू होती है।

11. पीएफसी की समूह संरचना क्या है?

31.03.2025 तक पीएफसी की सहायक कंपनियों और सहयोगियों का विवरण इस प्रकार है-

- <u>सहायक कंपनियां-</u>
  - **पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड (100% शेयरधारिता)**
    - पीएफसीसीएल लेनदेन परामर्श और परियोजना विकास सहित परामर्श सेवाएं प्रदान करता है, जो विशेष रूप से भारत के विद्युत क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार की गई हैं।
  - **आरईसी लिमिटेड (52.63% शेयरधारिता)**
    - आरईसी एक एनबीएफसी है जिसे बुनियादी ढांचा ऋण का दर्जा प्राप्त है, जो पूरे भारत में विद्युत क्षेत्र की परियोजनाओं को वित्तीय पोषित करती है।
  - **पीएफसी प्रोजेक्ट्स (100% शेयरधारिता)**
    - पीएफसी और आरईसी लिमिटेड के बीच समान संयुक्त उद्यम, विद्युत क्षेत्र में तनावग्रस्त या गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों के प्रबंधन और पुनरुद्धार के लिए स्थापित किया गया।
  - **पीएफसी इंफ्रा फाइनेंस आईएफएससी (100% शेयरधारिता)**
    - **पीएफसी ने हाल ही में** आईएफएससी गिफ्ट सिटी, गुजरात में अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी का गठन किया है। इसके साथ ही, पीएफसी आईएफएससी में वित्तीय कंपनी स्थापित करने वाली पहली सरकारी एनबीएफसी बन गई है। यह एक ऐतिहासिक कदम है क्योंकि इससे पीएफसी के लिए अंतरराष्ट्रीय ऋण क्षेत्र में नए रास्ते खुलेंगे।
- <u>सहयोगी-</u>
  - **अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्ट्स**
    - यूएमपीपी भारत सरकार की एक पहल है जिसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर विद्युत परियोजनाएं स्थापित करना है।

12. ईएसजी मोर्चे पर पीएफसी ने अब तक क्या किया है?

ईएसजी, पीएफसी के लिए एक नए प्रमुख क्षेत्र के रूप में उभरा है। ईएसजी पर केंद्रित दृष्टिकोण के लिए, पीएफसी ने जुलाई 2023 में एक समर्पित ईएसजी इकाई की स्थापना की।

ग्लोबल रिपोर्टिंग इनिशिएटिव (जीआरआई) यूनिवर्सल स्टैंडर्ड्स 2021 के संदर्भ में तैयार अपनी दूसरी ईएसजी रिपोर्ट जारी की है ।

इसके अतिरिक्त , मार्च-अप्रैल 2024 में आयोजित हितधारक सहभागिता और भौतिकता मूल्यांकन अभ्यास के माध्यम से पहचाने गए महत्वपूर्ण विषयों को संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (यूएन एसडीजी) के अनुरूप बनाया गया। यह वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप प्रकटीकरण को सुदृढ़ करने और अधिक पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह रिपोर्ट हमारी ईएसजी प्रथाओं और भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने तथा एक अधिक हरित एवं टिकाऊ भविष्य के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालती है।

ख. सामान्य वित्तीय जानकारी

1. पीएफसी का 5-वर्षीय लाभ सीएजीआर क्या है?

पीएफसी का 5 वर्षीय सीएजीआर (वित्तीय वर्ष 2020-21 से वित्तीय वर्ष 2024-25) 15.49% है। पीएफसी लगातार लाभ कमाने वाली कंपनी है और वित्तीय वर्ष 2024-25 में इसने 17,352 करोड़ रुपये का सर्वाधिक निवल लाभ अर्जित किया।

2. नवीनतम घोषित परिणामों के अनुसार पीएफसी ऋण परिसंपत्ति पुस्तिका का आकार क्या है?

31.03.2025 तक पीएफसी की ऋण परिसंपत्ति बही 5,43,120 करोड़ रुपये थी। वित्तीय वर्ष 2020-21 से वित्तीय वर्ष 2024-25 तक ऋण परिसंपत्ति बही 5-वर्षीय सीएजीआर 7.93% की दर से बढ़ी है।

ऋण परिसंपत्ति मिश्रण में 77% ऋण सरकारी क्षेत्र को और 23% ऋण निजी क्षेत्र को दिए गए हैं। ऋण परिसंपत्तियों का अनुशासनवार गठन इस प्रकार है-

वर्ग	**%**
अनुशासन के लिहाज से	
पीढ़ी	47%
- पारंपरिक ऊर्जा	32%
- नवीकरणीय ऊर्जा	15%
- नवीकरणीय ऊर्जा - अन्य (सौर/पवन/अन्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं)	*12%*
- नवीकरणीय ऊर्जा - बड़ी जलविद्युत (>25 मेगावाट)	*3%*
हस्तांतरण	7%
वितरण	41%
आधारभूत संरचना	2%
अन्य	3%
कुल	**100%**

3. पीएफसी का निवल एनपीए अनुपात क्या है?

वित्तीय वर्ष 24-25 के लिए पीएफसी का निवल एनपीए अनुपात 0.39% था। यह पिछले 7 वर्षों में सबसे कम निवल एनपीए अनुपात था, जो संकटग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान की दिशा में हमारे निरंतर प्रयासों को दर्शाता है।

4. पीएफसी की कुल परिसंपत्ति कितनी है?

31 मार्च, 2025 तक कंपनी की कुल परिसंपत्ति 90,937 करोड़ रुपये थी।

5. पीएफसी का पूंजी पर्याप्तता अनुपात क्या है?

पीएफसी आरबीआई के नियमों के अनुसार पूंजी पर्याप्तता अनुपात बनाए रखता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में पूंजी पर्याप्तता अनुपात 22.08% था, जो आरबीआई द्वारा निर्धारित न्यूनतम वैधानिक स्तर से काफी ऊपर है।

ग. लाभांश

1. भुगतान की जाने वाली स्वीकार्य लाभांश सीमा क्या है?

निवेश एवं लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) द्वारा जारी मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार, प्रत्येक सीपीएसई को कर-पश्चात लाभ (पीएटी) का न्यूनतम 30% या निवल मूल्य का 4% (जो भी अधिक हो) का वार्षिक लाभांश देना होगा, जो मौजूदा कानूनी प्रावधानों के तहत अधिकतम स्वीकार्य लाभांश के अधीन होगा। इसके अतिरिक्त, एनबीएफसी जैसे वित्तीय क्षेत्र के सीपीएसई, किसी भी मौजूदा कानूनी प्रावधानों के तहत, यदि कोई हो, सीमा के अधीन, कर-पश्चात लाभ (पीएटी) का न्यूनतम 30% वार्षिक लाभांश दे सकते हैं।

हालांकि, एक अपवाद खंड भी प्रदान किया गया है, जहां सीपीएसई को मंत्रालय की विशेष स्वीकृति से कम लाभांश का प्रस्ताव करने की अनुमति है।

इसके अलावा, एनबीएफसी द्वारा लाभांश वितरण के संबंध में आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार, लाभांश भुगतान अनुपात (अर्थात एक वर्ष में देय लाभांश की राशि और लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार निवल लाभ के बीच का अनुपात) की अधिकतम सीमा 50% है, जो कुछ शर्तों के अधीन है।

2. पीएफसी में लाभांश भुगतान का इतिहास क्या है?

पीएफसी लगातार लाभांश का भुगतान कर रहा है और सभी हितधारकों को स्थायी मूल्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पिछले 10 वर्षों में लाभांश भुगतान नीचे तालिका में दर्शाया गया है:

वित्तीय वर्ष	प्रति शेयर लाभांश (₹)
2014-2015	9.10
2015-2016	13.90
2016-2017*	5
2017-2018	7.80
2018-2019**	0
2019-2020	9.50
2020-2021	10
2021-2022	12
2022-2023	13.25
2023-2024 #	13.50
2024-2025	15.80

*वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान, मौजूदा शेयरधारकों को 1:1 के अनुपात में बोनस इक्विटी शेयर जारी किए गए

** आरईसी अधिग्रहण के कारण शून्य लाभांश का भुगतान करने के लिए विशेष अनुमोदन लिया गया

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान, मौजूदा शेयरधारकों को 1:4 के अनुपात में बोनस इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे

3. लाभांश के लिए रिकॉर्ड तिथि क्या है?

रिकॉर्ड तिथि, किसी कंपनी द्वारा लाभांश प्राप्त करने के पात्र शेयरधारकों के नाम निर्धारित करने के लिए घोषित की गई अंतिम तिथि होती है। उदाहरण के लिए, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए घोषित 2.05 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की रिकॉर्ड तिथि 13 जून, 2025 थी अर्थात, लाभांश का भुगतान उन शेयरधारकों को किया जाएगा जिनके नाम 13 जून, 2025 को पीएफसी के सदस्य रजिस्टर में दर्ज होंगे।

4. लाभांश भुगतान की तिथि क्या है?

पीएफसी आम तौर पर एक वित्तीय वर्ष में अंतरिम और अंतिम लाभांश का भुगतान करता है।

अंतरिम लाभांश के लिए, बोर्ड द्वारा घोषणा की तारीख से 30 दिनों के भीतर शेयरधारकों को लाभांश का भुगतान किया जाना आवश्यक है।

बोर्ड बैठक में घोषित किसी वित्तीय वर्ष के लिए अंतिम लाभांश आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की स्वीकृति के अधीन होता है। वैधानिक नियमों के अनुसार, वार्षिक आम बैठक में अनुमोदन की तिथि से 30 दिनों के भीतर शेयरधारकों को लाभांश का भुगतान किया जाना आवश्यक है। उदाहरण के लिए, यदि वित्तीय वर्ष 2021-22 की वार्षिक आम बैठक 21 सितंबर, 2022 को आयोजित की गई थी, तो इसका अर्थ है कि लाभांश का भुगतान 20 अक्टूबर, 2022 को या उससे पहले किया जाना आवश्यक है ।

5. लाभांश प्राप्त न होने या लाभांश से संबंधित किसी अन्य प्रश्न के मामले में शेयरधारक को किससे संपर्क करना चाहिए?

ऐसे किसी भी प्रश्न के लिए, शेयरधारक पीएफसी के रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट से संपर्क कर सकते हैं, विवरण यहां उपलब्ध हैं - https://pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/74 ।

इसके अलावा, आप अपनी पूछताछ हेतु investorsgrievance@pfcindia.com पर भी हमें मेल कर सकते हैं।

घ. 54ईसी बांड्स

1. 54ईसी बांड क्या हैं?

पूंजीगत लाभ बांड या 54ईसी बांड निश्चित आय ऋण साधन हैं जो निवेशकों को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54ईसी के तहत पूंजीगत लाभ कर छूट प्रदान करते हैं। दूसरे शब्दों में, धारा 54 सामान्य वित्तीय जानकारी में उल्लिखित शर्तों के अधीन, 54 सामान्य वित्तीय जानकारी पूंजीगत लाभ बांड में निवेश करके अचल संपत्ति की बिक्री से दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर कर देयता को कम किया जा सकता है।

2. क्या पीएफसी 54ईसी पूंजीगत लाभ कर छूट बांड जारी करता है?

8 जून, 2017 को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्तीय मंत्रालय से प्राप्त अनुमोदन के अनुसरण में 54ईसी बांड जारी किए हैं।

तब से पीएफसी ने 54ईसी बांड के माध्यम से 9,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए हैं।

3. 54ईसी बांड पर ब्याज दर क्या है?

पीएफसी के पूंजीगत लाभ बॉन्ड पर 5.25% वार्षिक ब्याज दर मिलती है, जो हर साल 31 जुलाई को, मोचन की तारीख तक, देय होती है। इसके अलावा, निवासी भारतीयों के लिए ब्याज पर स्रोत पर कोई कर कटौती योग्य नहीं है।

4. मैं पीएफसी 54ईसी बांड के बारे में विवरण जैसे आवेदन पत्र, सूचना ज्ञापन आदि कहां पा सकता/सकती हूं?

54ईसी बांड से संबंधित सभी विवरण यहां देखे जा सकते हैं - https://pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/10183

5. एक निवेशक को पीएफसी के 54ईसी बांड को क्यों प्राथमिकता देनी चाहिए?

- पीएफसी 54ईसी बॉन्ड में निवेश करने के इच्छुक निवेशक को अद्वितीय सेवा और निर्बाध निवेश प्रक्रिया प्रदान करता है
- दो समर्पित हेल्प-डेस्क
  - आवेदन से लेकर आवंटन चरण तक प्रश्नों के समाधान के लिए - 54ECAllotment@pfcindia.com
  - आवंटन के बाद के प्रश्न के लिए एक और - 54ECinvestorcell@pfcindia.com
- प्रश्नों का त्वरित प्रत्युत्तर समय - 24 घंटे के भीतर
- समय-समय पर निवेश पर व्यक्तिगत एसएमएस अपडेट

6. क्या इस प्रकार के बांड के लिए कोई लॉक-इन अवधि है?

हाँ, ये बॉन्ड आवंटन की तारीख से 5 साल की लॉक-इन अवधि के साथ आते हैं और अहस्तांतरणीय हैं। इसके अलावा, समय से पहले मोचन की अनुमति नहीं है और बॉन्ड को किसी भी ऋण या अग्रिम के लिए जमानत के रूप में नहीं दिया जा सकता है।

7. 54ईसी बांड से संबंधित किसी भी प्रश्न के मामले में निवेशक को किससे संपर्क करना चाहिए?

किसी भी प्रश्न के लिए, निवेशक पीएफसी के रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट से संपर्क कर सकते हैं, विवरण यहां उपलब्ध हैं https://pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/10183 . साथ ही, आवेदन और संबंधित प्रश्न

आवंटन चरण में किसी भी प्रश्न के लिए 54ECAllotment@pfcindia.com पर संपर्क किया जा सकता है। आवंटन के बाद संबंधित प्रश्नों के लिए, 54ECinvestorcell@pfcindia.com पर ईमेल भेजा जा सकता है ।

ड. निवेशक रिपॉजिटरी

1. मैं कंपनी के वित्तीय परिणामों के बारे में जानकारी कहां पा सकता/सकती हूं?

पीएफसी के तिमाही और वार्षिक वित्तीय परिणाम नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से देखे जा सकते हैं: https://pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/73

2. मैं पीएफसी की निवेशक संबंध प्रस्तुति कहां पा सकता /सकती हूं?

पीएफसी की निवेशक संबंध प्रस्तुति यहां उपलब्ध है: https://pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/110

3. मैं कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन पर विस्तृत जानकारी कहां पा सकता/सकती हूं?

तिमाही नतीजों के जारी होने के बाद, पीएफसी के वित्तीय प्रदर्शन पर तिमाही विस्तृत अपडेट पीएफसी की वेबसाइट पर साझा किया जा रहा है। इसे यहां देखा जा सकता है: https://pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/10201

4. मैं कंपनी द्वारा निर्धारित कॉल अर्जित करने और जारी की गई प्रतिलिपि के बारे में विवरण कहां पा सकता/सकती हूं?

अर्निंग कॉल शेड्यूल का विवरण स्टॉक एक्सचेंजों और पीएफसी की वेबसाइट पर भी अपडेट किया जाता है। https://pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/10171

निवेशक कॉल की प्रतिलिपि नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है- https://pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/109

5. मैं कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट कहां पा सकता/सकती हूं?

पीएफसी की वार्षिक रिपोर्ट नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से देखी जा सकती है- https://pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/72

6. इक्विटी शेयरों से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए मुझे किससे संपर्क करना चाहिए?

शेयर से संबंधित किसी भी प्रश्न जैसे नाम परिवर्तन, वार्षिक रिपोर्ट प्राप्त न होना; लाभांश भुगतान आदि के लिए , शेयरधारक पीएफसी के रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट से संपर्क कर सकते हैं, विवरण यहां उपलब्ध हैं - https://pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/74

investorsgrievance@pfcindia.com पर भी प्रश्न भेज सकते हैं।

7. बांड से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए मुझे किससे संपर्क करना चाहिए?

किसी भी बॉन्ड से संबंधित प्रश्नों जैसे कि ब्याज न मिलना, बैंक विवरण का अद्यतन आदि के लिए, बॉन्डधारक पीएफसी के रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट से संपर्क कर सकते हैं, विवरण यहां उपलब्ध हैं - https://pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/10174

इसके अलावा, प्रश्न हमें Bondsinvestorcell@pfcindia.com पर तथा 54ईसी बांड के मामले में 54ECinvestorcell@pfcindia.com पर मेल किया जा सकता है।

8. कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन पर अद्यतन जानकारी के लिए मुझे किससे संपर्क करना चाहिए?

पीएफसी के पास एक समर्पित निवेशक संबंध प्रकोष्ठ है जो निवेशकों को पीएफसी के प्रदर्शन के बारे में जानकारी प्रदान करता है । पीएफसी के प्रदर्शन से संबंधित किसी भी प्रश्न या मीटिंग शेड्यूल के लिए, investorrelations@pfcindia.com पर ईमेल किया जा सकता है।

9. मैं कंपनी की ईएसजी रिपोर्ट कहां पा सकता/सकती हूं?

पीएफसी की ईएसजी रिपोर्ट नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से देखी जा सकती है-
https://www.pfcindia.co.in/ensite/Home/VS/10336

10. मैं पीएफसी से नियमित अपडेट कहां पा सकता/सकती हूं?

पीएफसी की ओर से नियमित अपडेट और घोषणाएं कंपनी के आधिकारिक लिंक्डइन पेज पर साझा की जाती हैं:
https://www.linkedin.com/company/power-finance-corporation-ltd/

***